

एक ही रात में बरसा साढ़े पांच इंच पानी, सुबह नींद से जागे लोग तो चारों ओर पानी ही पानी

- उपर्युक्त के रामसागर बांध में चली ढाई फुट की चादर, बामनी नदी वर्षों बाद आई उफान पर
 - नदी के उफान पर आने से कई गाँवों के रास्ते हुए बंद, निघले इलाकों में पानी भराव

तालाबशाही का आरटी बांध भी
झलका, अब तक सीजन की हुई
75 प्रतिशत से अधिक बारिश
बढ़ता राजस्थान

बाड़ी/धौलपुर (राजू शर्मा)। उपखंड क्षेत्र में बुधवार की रात ऐसी बारिश हुई कि गुरुवार को सुबह लोग जब सोकर उठे तो चारों ओर पानी ही पानी दिखाई दिया। तेज बारिश से उपखंड का रामसागर बांध लतालब हो गया। ऐसे में रामसागर बांध पर करीब ढाई फुट की चादर चल रही है वहीं तलाबशाही का आरटी बांध भी झलक रहा बुधवार की रात 12 बजे से शुरू हुआ बारिश का दौर गुरुवार सुबह 6 बजे तक लगातार जारी रहा। जिससे क्षेत्र के नदी, नालों और बांधों में बैपर पानी की आवक की है।

A wide-angle photograph capturing a group of approximately 25 people, predominantly young children, gathered on a narrow, light-colored concrete path or embankment. The path runs parallel to a wide, calm river with a light greenish tint. In the background, a dense line of trees and a distant, flat horizon under a vast, overcast sky. On the left side of the path, a woman in a bright pink sari stands looking towards the water. To her right, a man in a maroon t-shirt and dark shorts is riding a blue bicycle. Further down the path, several children are walking in various directions, some carrying items like a pink bag or a blue cloth. On the far right, a man in a red t-shirt and dark shorts stands with a small child. The overall atmosphere is one of a casual, everyday scene in a rural or semi-rural setting.

साढ़े पांच इंच और तालाब शाही बांध पर करीब 6 इंच बारिश हुई है। जिले में सबसे अधिक बारिश उर्मिला सापर बांध पर 160 एमएम यानी 6 इंच से अधिक दर्ज हुई है। आंगाई में 66 एमएम, बसेड़ी में 60

बारिश से बाढ़ी उपखंड के राम 04 फुट से अधिक पानी की जिससे बांध लबलाब हो गया।

रामसागर बंद पर करीब ढाई फुट की चादर : सिंचाई विभाग के एक्सर्सीएन राजकुमार सिंघल ने बताया कि देर रात हुई फोट की चादर चल रही है। वही तालाबशाही बांध भी पूरा भर गया है और उस पर चादर चलने लगी है। वही उर्मिला सागर

महर्षि चरक जयंती विशेष आयुर्वेद के महान आचार्य एवं विश्व के प्रथम चिकित्सक शेषावतार महर्षि चरक की जयंती आज

अलवर (का.स.)। विश्व आयुर्वेद परिषद के चिकित्सक प्रकोष्ठ प्रदेश प्रभारी डॉण् पवन सिंह शेखावत ने बताया की अथर्ववेद के उपवेद और पंचमवेद आयुर्वेद के आदि चिकित्सक महर्षि चरक को भगवान शेषनाग का अवतार माना जाता है। उनका जन्म इसा से 200 वर्ष पूर्व कश्मीर में पुँछ के पास कपिष्ठल नामक गांव में हुआ था। श्वेत वाराह पुराण के अनुसार उनका जन्मादिन श्रावण शुक्लपक्ष नागपंचमी इस बार 9 अगस्त 2024 को मनाया जाता है। उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में भगवान शेषनाग के कपाट भी आज ही के दिन खोले जाते हैं। महर्षि चरक ने अपने जीवन काल में पीड़ित मानवता की सेवा के लिए देशभर में विभिन्न स्थानों पर धूमते हुए चिकित्सा का कार्य और उसका प्रचार किया। इसी कारण छ्वरकात् चरकरूप नित्यप्रति धूमने के कारण उनका नाम चरक पड़ा। उन्होंने घारात्मक पुत्रवत आचारेत्य यानी रोगी से पुत्र के समान व्यवहार करने सहित अनेक सिद्धांतों का प्रतिपादन कर चिकित्सक समाज के लिए एक मिशाल कायम की। हिमाचल प्रदेश के एक गांव का नाम आज भी चरेख.डांडा है। मान्यता है कि इसी पहाड़ी पर महर्षि चरक ने तपस्या की थी। इस स्थान पर विश्व आयुर्वेद परिषद के प्रयासों से महर्षि चरक की मूर्ति स्थापना की गई है। जहां आसपास के आयुर्वेद महाविद्यालय के छात्र चरक जयंती के अवसर पर चरक.यात्रा आदि का आयोजन करते हैं।

स्कूली बच्चों को कौशल से जोड़ने के लिए गायत्री परिवार ने लगाया शिविर



बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। गायत्री परिवार अलवर की ओर से गुरुवार को गवर्नरमेंट नवीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किशोर कौशल शिविर का आयोजन किया गया। यहाँ पर विद्यार्थियों को मेडिटेशन की विद्यार्थी जीवन में आवश्यकता और उसके लाभ, गायत्री मंत्र का वैज्ञानिक प्रतिपादन, विद्यार्थी जीवन में आदर्श दिनचर्या और उसका महत्व आदि विषय पर मार्गदर्शन गायत्री परिवार की मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी डॉ. सरोज गुप्ता के द्वारा दिया गया और उहाँने बताया कि जीवन में श्रेष्ठ संस्कारों का बीजारोपण कर भावी पीढ़ी को अखंड व्यक्तित्व के मार्ग पर अग्रसर करना ही ऐसे किशोर कौशल शिविर का उद्देश्य है। वहाँ पर स्टाफ ने और प्रिसिपल साहब ने नो बैग डे पर भी शनिवार को आकर बच्चों में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों के बारे में बताने का आग्रह किया और सभी स्टाफने इस कार्यक्रम को सराहा। स्कूल को 50 पौधे गायत्री परिवार एवं आराधना ग्रुप की तरफ से भी दिए गए और वृक्षारोपण भी संपन्न किया गया स्कूल को पहले भी 65 पौधे गायत्री परिवार व आराधना ग्रुप की तरफ से दिए जा चुके हैं टोटल 115 पौधे स्कूल को प्रदान किए जा चुके हैं इस दौरान गायत्री परिवार की ट्रस्टी श्रीमती शशी गुप्ता और शकुंतला मौजूद रही।

निवासी अमृतलाल घुरेया एक अन्य व्यक्ति के साथ खाद बीज खरीदने आया। जब वह खाद-बीज लेने के लिए दुकान के अंदर गया तो साथ आए व्यक्ति ने काउंटर पर रखें मोबाइल को चुरा लिया। दोनों लोग बाद में दुकान से गायब हो गए। मामले को लेकर अमृतलाल और साथ आये अज्ञात शख्स की तलाश की तो कोई नहीं मिला। ना ही उसकी अब कोई जानकारी मिल रही है। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है। जिसमें चोर काउंटर पर रख मोबाइल को चुरा कर लेकर जा रहा है।

बिजौली गौशाला पर किया गया वृहद पौधारोपण कार्यक्रम : धौलपुर पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा एवं गौशाला अध्यक्ष सुनील गर्ग के नेतृत्व में आयोजित हुआ कार्यक्रम

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (धौलपुर)। राजस्थान में चलाए जा रहे हरियालों राजस्थान कार्यक्रम के तहत हरियाली जी के अवसर पर जीौली स्थित परशुराम सेवा संस्थान गोसाला पर एक बड़े स्तर पर पौष्टिकरण कार्यक्रम किया गया है। इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा, अंतिरिक पुलिस अधीक्षक कमल कुमार, बाड़ी के पुलिस उपअधीक्षक नरेंद्र कुमार, जिला परिषद सीईओ सुदर्शन सिंह तोमर, पचायत समिति बाड़ी के छब्बी रामबोल सिंह गुर्जर उपस्थित

रहे। इस कार्यक्रम के साथ-साथ सभी लोगों पार बन जड़ी नई नंटी शाला का भी



गोपनीय वार्षिक बजेट पर एक बड़े सत्र पर योग्यतापनी कायोर्ग्रन किया गया है। इस कायोर्ग्रन में पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरबाज़, अंतिरिक पुलिस अधीक्षक कमल कुमार, बाड़ी के पुलिस उपअधीक्षक नरेंद्र कुमार, जिला परिषद शीर्षी औ सुदर्शन सिंह तोमर, पचायत समिति बाड़ी के छब्बठे रामबोल सिंह गुर्जर उपस्थित

विभिन्न विभिन्न प्रकार के छायादार वृक्ष जैसे जामुन, पाखर, पीपल, अशोक, कदम, खेजड़ी लगाए गए जो कि भविष्य में बहुत ही उत्तम रहेंगे व पर्यावरण को भी शुद्ध करेंगे एवं पशुओं के लिए भी चारा एकत्रित होता रहेगा आज के इस कार्यक्रम में पशुपालन विभाग धौलपुर के उपनिदेशक डॉ संत सिंह मौणा, डॉ सीमा मौणा, पंचायत समिति बाड़ी के पीओ राजेश शर्मा, गौशाला के महामन्त्री मनोज मोदी, विष्णु मेहरी, आदि लोग उपस्थित रहे।

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। सदूर माता सुदीक्षा ज
महाराज एवं पूज्य निरंकारी राजपिता रमित ज
के दिव्य मार्गदर्शन एवं पवन आशीर्वाद से स
निरंकारी मिशन द्वारा पर्यावरण के संरक्षण हे
वन नेस वन नामक मेंगा वृक्षारोपण परियोजना
का आरंभ किया गया इस परियोजना का लक्ष्य
वृक्षों के समूह का रोपण एवं उनकी देखभाल
करना था जिसके स्वरूप में अब वर्ष दर व
निरंतर बढ़ोतारी हो रही है। इसी क्रम में अलवर
में जिला संयोजक सोमनाथ जी के मार्गदर्शन
व सेवा दल संचालक सिली राम जी व
देखभाल में वन नेस वन 'प्रोजेक्ट' के अंतर्गत
यह कार्यक्रम 11 आमने गवितार को

कॉलेज में प्रातः 7 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सभी सेवा दल के भाई बहन सहित संगत के सभी सदस्य सम्मिलित होकर अपना योगदान करेंगे। संत निरंकरी मंडल के सचिव आदरणीय आदरणीय जेंगिंदर सुखीजा ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि 2021 में आयोजित वन नेस वन परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत संपूर्ण भारतवर्ष में लगभग डेढ़ लाख के करीब वृक्षारोपण किया गया जिसके परिणाम स्वरूप इन वृक्षों के समूह में इतना अधिक विस्तारण हुआ कि अब यह एक लघु वन के रूप में प्रदर्शित हो रहा है। मिशन के सेवादारों द्वारा इन वृक्षों को पर्लित एवं पोषित रखने हेतु उन्हें स्थानीय जलवाया एवं धूमधौलिक परिवेश के अनुसार ही रोपा जा रहा है। समाज कल्याण के लिए आवश्यक इस परियोजना को क्रियान्वित करने हेतु संत निरंकरी वेजिटेबल फउंडेशन द्वारा ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में औरनें स्थान जोड़कर इस अभियान के चौथे चरण की सेवाओं का आरंभ 11 अगस्त रविवार को संपूर्ण भारत वर्ष के लगभग 600 से अधिक स्थानों पर विशाल वृक्षारोपण के रूप में आरंभ किया जा रहा है। इसमें मिशन के सभी स्वयं सेवक एवं अनुयाई सम्मिलित होकर करीब 10 लाख वृक्ष लगाएंगे ताकि यह प्रथम चरण की की भाँति लघु वन के रूप में प्रस्तुति हो सके। निरंकरी मिशन समय-समय पर ऐसी कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित कर पर्यावरण संरक्षण और धरती को संतरापने में अहम भूमिका निभाता है।

